अपराधिक प्रवृतियां हमारा स्वभाव नहीं-दादी हृदयमोहिनी

अमृत महोत्सव में उमड़ा जन सैलाब, प्रदेश भर से जुटे लोग

कानपुर, 30 अक्टूबर। भावनाओं से भरी निगाहों, मन में प्यार का सैलाब लिए लोगों से खचाखच भरा लाजपत भवन का लॉन में जब तपस्विनी राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी का आगमन हुआ तो पूरा माहौल खुशियों से छलक उठा। ब्रह्माकुमारीज संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दिव्य दृष्टि प्राप्त राजयोगिनी हृदयमोहिनी ने कहा कि आज पूरे समाज में अपराध और हिंसा की घटनायें दिनोंदिन बढ़ रही है। इसका मुख्य कारण आत्मिक रूप से कमजोर होना है। संसार में समस्त लोंगों को यह समझना चाहिए कि अपराधिक प्रवृतियां हमारा सच्चे मनुष्य का स्वभाव नही हैँ। इसके लिए हमें अपने अन्दर बदलाव लाने की जरूरत है।

दादीजी कानपुर, लखनऊ तथा प्रदेश के कई हिस्सों से आये लोगों को सम्बोधित कर रही थी। आगे दादी ने कहा कि सदा खुश रहे और खुशियां बांटे। यह एक ऐसा खजाना है जिसे जितना बांटेगे उतना ही बढ़ेगा। यह ईश्वरीय विश्व विद्यालय स्वयं परमपिता परमात्मा द्वारा स्थापित है। यदि हम सभी अपने मन को परमात्मा में लगाना प्रारम्भ कर दें तो जीवन से अज्ञान अंधकार हमेशा के लिए दूर हो जायेगा। राजयोग एक ऐसी विद्या है जिसके द्वारा जीवन में सकारात्मक बदलाव सहज ही आ सकेगा। यह समय बदलाव का है इसलिए समय आपको बदले इसके पहले आप स्वयं को बदलें। दादी जी ने उपस्थित जनसमूह से आह्वान किया कि वे समाज बदलाव की मुहिम का हिस्सा बनें।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश रविन्द्र सिंह ने कहा कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय ने जिस तरह से पूरी दुनिया में लोगों के जीवन में बदलाव के साथ पचहत्तर वर्ष का लम्बा सफर तय किया है वह सराहनीय है। पूरी दुनिया के लोगों में जिस तरह से व्यक्तिगत बदलाव की मुहिम छेड़ी इसमें सभी लोगों को भागीदार बनना चाहिए।

प्यूरिटी मैगेजिन के प्रधान सम्पादक दिल्ली से आये ब्र0 कु0 बृजमोहन ने कहा कि दुनिया में दो नियम होते है एक तो मनुष्यों द्वारा बनाया हुआ दूसरा परमात्मा द्वारा बनाया हुआ। जब हम परमात्मा द्वारा बनाये गये नियमों पर चलेंगे तो हमारे जीवन में कभी भी किसी प्रकार की दुर्घटनायें नहीं होगी। शरीर समझने के कारण लोगों में वैरभाव और अपराधिक गतिविधिया बढ़ी है। माउण्ट आबू से आये गायक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति देकर लोगों को भाव विभोर कर दिया। इस अवसर पर दिल्ली से आयी ब्र0 कु0 आशा ने कहा कि यह पहला ईश्वरीय विश्व विद्यालय है जिसमें नर से नारायण बनने की पढ़ाई होती है। इसमें उम्र, जाति, धर्म ओर भाषा की कोई दिवार नहीं है।

ब्रह्माकुमारीज संस्था उत्तर प्रदेश की जोन इंचार्ज ब्र0 कु0 मोहिनी ने राजयोग का अभ्यास कराते हुए कहा कि इससे हम अपने और संकल्पों पर नियंत्रण कर सकते है। यही एक उपाय है जिससे हम अपने अप को बदल सकते है।

इस अवसर पर संस्था के जनसम्पर्क एवं सूचना निदेशक ब्र0 कु0 करूणा, माउण्ट आबू से आयी ब्र0 कु0 मुन्नी, ब्रह्माकुमारीज संस्था कानपुर की प्रभारी ब्र0 कु0 विद्या ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये।

इससे पूर्व प्रात: दस बजे उत्तर प्रदेश सिन्धी समाज द्वारा सिन्धी सम्मेलन में दादीज को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन ब्र0 कु0 शारदा ने किया। इस कार्यक्रम का दीप जलाकर उदघाटन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

फोटो: 1 प्लेटिनम जुबली महोत्सव का दीप जलाकर उदघाटन करते अतिथि।